ई-माहिती

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात की त्रैमासिक ई - गवर्नेंस पत्रिका

जुलाई-सितंबर 2026



लक्ष्मी विलास पैलेस

लक्ष्मी विलास पैलेस गुजरात के वडोदरा शहर में स्थित भारत के सबसे भव्य शाही महलों में से एक है। इसका निर्माण महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने वर्ष 1890 में कराया था। लगभग 500 एकड़ में फैला यह महल इंडो-सरैसेनिक वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। महल अपने भव्य दरबार हॉल, सुंदर नक्काशी, रंगीन काँच की खिड़कियों और राजा रवि वर्मा की दुर्लभ चित्रकृतियों के लिए प्रसिद्ध है। आज भी यह गायकवाड़ शाही परिवार का निवास है और गुजरात का प्रमुख पर्यटन स्थल माना जाता है।

वडोदरा
VADODARA

HERITAGE | CULTURE | PROGRESS



क्षेत्रफल
7,794 वर्ग किमी

जनसंख्या
36.5 लाख

साक्षरता दर
81.21%

ब्लॉक
12

गाँव
694



कीर्ति मंदिर



सयाजी बाग



महाराजा फ़तेह सिंह संग्रहालय



सूरसागर झील



तांबेकर वाडा



अजवा गार्डन

संपादकीय

संरक्षक



श्री प्रमोद कुमार सिंह
वैज्ञानिक-जी एवं
राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, गुजरात

संपादकीय टीम



श्री शैलेष खणेशा
वैज्ञानिक-डी एवं
संयुक्त निदेशक (आई.टी.)



श्री कुणाल देराश्री
वैज्ञानिक-सी एवं
उप निदेशक (आई.टी.)

एनआईसी, गुजरात के सेवानिवृत्त अधिकारी का विवरण



श्री भरत धंधुकिया
पूर्व वैज्ञानिक- एफ
कर्मचारी कोड: 2146
एनआईसी राज्य केंद्र, गांधीनगर, गुजरात
एनआईसी में नियुक्ति की तारीख: 01/07/1989
सेवानिवृत्ति की तारीख: 30/09/2026

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
गुजरात राज्य केंद्र, ब्लॉक 13, द्वितीय तल,
सरदार भवन ,गांधीनगर, गुजरात 382010
: sio-guj@nic.in : https://guj.nic.in

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

वाइब्रेंट गुजरात 2026 सेंट्रल गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस, वडोदरा के दौरान तकनीकी सहयोग	1
समृद्ध गुजरात 2026 में एनआईसी, गुजरात द्वारा ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की प्रदर्शिनी	2
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार की सचिव द्वारा एनआईसी, गुजरात की आईसीटी गतिविधियों की समीक्षा	4
गांधीनगर, गुजरात में "टेक सक्षम – डिजिटल एक्सीलेंस प्रोग्राम" पर कार्यशाला का आयोजन	5
गिरनार यात्रा हेतु ऑनलाइन इन/आउट रजिस्ट्रेशन: सुरक्षा और सुविधा का नया कदम	7
एनआईसी अहमदाबाद द्वारा प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों हेतु सुदृढ़ आईसीटी सहयोग	8
एनआईसी गांधीनगर का सराहनीय आईसीटी एवं तकनीकी सहयोग हेतु जिला प्रशासन द्वारा सम्मान	9
पीडीएस में सीबीडीसी के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला	10
राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात में हिंदी पखवाड़ा 2026 का आयोजन	11
राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन	13
एनआईसी गुजरात में सेवानिवृत्ति और स्थानांतरण पर विदाई समारोह	15

वाइब्रेंट गुजरात 2026 सेंट्रल गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस, वडोदरा के दौरान तकनीकी सहयोग







वाइब्रेंट गुजरात 2026 सेंट्रल गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस 29 जून से 30 जून 2026 तक वडोदरा स्थित जीएसएफसी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। इस आयोजन में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), वडोदरा ने महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान किया। जीएसएफसी विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के दौरान एनआईसी वडोदरा की टीम ने तकनीकी आवश्यकताओं की पूर्ति, कनेक्टिविटी की व्यवस्था तथा विभिन्न संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की तैयारियों से लेकर आयोजन के दौरान, जीएसएफसी विश्वविद्यालय के ITeS विभाग, मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (ISP) एवं अन्य हितधारकों के साथ निरंतर संपर्क एवं समन्वय बनाए रखा गया। एनआईसी वडोदरा की तकनीकी दक्षता, तत्परता एवं समर्पित टीमवर्क ने कार्यक्रम के निर्बाध संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस सराहनीय सहयोग के लिए जीएसएफसी विश्वविद्यालय के ITeS विभाग द्वारा एनआईसी वडोदरा की प्रशंसा की गई तथा आभार व्यक्त किया गया। विश्वविद्यालय ने भविष्य की विभिन्न पहलों में भी एनआईसी के साथ निरंतर संस्थागत सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

Respected Sir/Madam,

ITeS Department, GSFC University would like to express its appreciation for the support extended by the National Informatics Centre (NIC), Vadodara, during the conduct of the **Vibrant Gujarat 2026** event hosted at the University.

The team NIC Vadodara extended technical assistance and coordinated with the ITeS Department GSFCU and other concerned stakeholders such as the mobile phone operators, ISP etc as required during the planning and execution of the event. Their support facilitated the timely handling of technical requirements and contributed to the smooth conduct of the programme.

GSFC University looks forward to continued institutional cooperation with the National Informatics Centre in future initiatives.

वाइब्रेंट गुजरात 2026 के सफल आयोजन हेतु जीएसएफसी विश्वविद्यालय द्वारा एनआईसी वडोदरा को आभार पत्र

समृद्ध गुजरात 2026 में एनआईसी, गुजरात द्वारा ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की प्रदर्शिनी







समृद्ध गुजरात 2026 प्रदर्शनी में एनआईसी गुजरात द्वारा ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन

एनआईसी गुजरात ने समृद्ध गुजरात - 2026 प्रदर्शनी में भाग लिया जो 7 से 9 जुलाई, 2026 के दौरान अहमदाबाद में आयोजित की गई थी। एनआईसी ने अत्याधुनिक ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जो पूरे भारत में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा दे रही हैं। हमारा लक्ष्य शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में नागरिकों और छात्रों को जागरूक एवं प्रेरित करना था। श्री हरीश एम. पटेल, डीडीजी एवं एएसआईओ (जिला) की अध्यक्षता में एक समन्वय समिति का गठन किया गया, जिसमें श्री दिनेश आई. चौहान एवं श्री संजय रामदेव, वैज्ञानिक-एफ को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। समिति ने सभी संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्टॉल पर प्रदर्शित किए जाने वाले बैनर, स्टैंडी, परियोजनाओं से संबंधित पैम्फलेट्स की डिज़ाइन, आगंतुकों के लिए क्विज़, प्रस्तुतियों आदि सहित सभी आवश्यक कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया।

समृद्ध गुजरात - 2026 प्रदर्शनी में 500 से अधिक नागरिकों और छात्रों ने एनआईसी स्टॉल का दौरा किया। छात्रों ने इन डिजिटल पहलों में गहरी रुचि दिखाई और एनआईसी टीम के साथ सक्रिय रूप से जुड़े। प्रदर्शनी के दौरान श्री अतुल खूंटी, डीडीजी और एएसआईओ (राज्य), श्री हरीश एम. पटेल, डीडीजी एवं एएसआईओ (जिला), श्री पल्लव एम. केंदूरकर, वैज्ञानिक-ई, श्री शैलेश खणेशा, वैज्ञानिक डी और श्री नीरज नामा, वैज्ञानिक-सी भी एनआईसी स्टॉल पर उपस्थित रहे | एनआईसी ने सामान्य आईटी ज्ञान और प्रदर्शित परियोजनाओं को कवर करने वाले एक जानकारीपूर्ण प्रश्नोत्तरी सत्र का प्रबंधन किया, जिसमें छात्रों के प्रौद्योगिकी, आईटी में करियर और इन प्लेटफार्मों के कामकाज के बारे में सवालों का जवाब दिया गया। विजेता प्रतिभागियों को रोमांचक उपहारों से पुरस्कृत किया गया।

इस इंटरैक्टिव अनुभव के माध्यम से, एनआईसी का उद्देश्य जिज्ञासा जगाना और इस बारे में जागरूकता बढ़ाना था कि कैसे डिजिटल तकनीक शासन को बदल रही है, जिससे यह अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक केंद्रित हो रहा है।



एनआईसी ने बैनर, स्टैंडी, वीडियो और कैटलॉग के माध्यम से एनआईसी द्वारा विकसित कई प्रभावशाली पहलों में लाइव प्रदर्शन और इंटरैक्टिव अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की। प्रदर्शित नागरिक केंद्रित ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन हैं -

- **डिजिटल गुजरात** - गुजरात में 300 से अधिक नागरिक सेवाएं प्रदान करने वाला सरकार के लिए एकीकृत नागरिक सेवा मंच।
- **माइ राशन** - राशन वितरण को सरल बनाने और नागरिकों को वास्तविक समय के अपडेट के साथ चलते-फिरते राशन सेवाओं तक पहुंचने के लिए सशक्त बनाने के लिए मोबाइल ऐप।
- **ई-परामर्श** - गुजरात के डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रवेश के प्रबंधन के लिए डिजिटल प्रणाली।
- **आईटीआई प्रवेश** – इस पोर्टल के माध्यम से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया और व्यावसायिक कौशल प्रमाणन को सरल बनाता है।

समृद्ध गुजरात 2026 में एनआईसी, गुजरात द्वारा ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की प्रदर्शिनी

- **आरटीओ परिवहन और ई-चालान** - वाहन पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं के लिए ऑल इन वन डिजिटल समाधान। एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस प्लेटफॉर्म।
- **ओजस** - गुजरात सरकार की भर्तियों के लिए ऑनलाइन नौकरी आवेदन प्रणाली।
- **स्वागत** - मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सीधे सार्वजनिक शिकायतों के समाधान के लिए भारत के सबसे पुराने सार्वजनिक शिकायत निवारण मंचों में से एक।
- **मुख्यमंत्री मातृशक्ति योजना** - पहले 1000 दिनों के लिए गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं को मुफ्त पौष्टिक भोजन प्रदान करने की प्रणाली।





- **ई-धरा** - आरओआर के साथ ऑनलाइन ग्रामीण भूमि अभिलेख प्रबंधन प्रणाली, और स्वचालित उत्परिवर्तन ट्रैकिंग।
- **गरवी** - भूमि अभिलेखों के साथ एकीकृत डिजीटल संपत्ति पंजीकरण और संपत्ति मूल्यांकन प्रणाली।
- **सिटी सर्वे इंफॉर्मेशन सिस्टम** - ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जो गुजरात में शहरी भूमि रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ और प्रबंधित करने में मदद करता है।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनआईसी, गुजरात ने आईटी ज्ञानकोष और एनआईसी परियोजनाओं पर 10 श्रेणियों में 180+ प्रश्नों के साथ एक इंटरैक्टिव क्विज़ का आयोजन किया। 3 दिनों में 72 छात्रों और नागरिकों ने भाग लिया, और विजेताओं को पुरस्कार मिले।

क्विज़ मॉड्यूल श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी द्वारा विकसित किया गया था। इसके अलावा, स्मार्ट टीवी पर 70+ ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों के सारांश और आँकड़ों को प्रदर्शित करने वाला एक वीडियो प्रदर्शित किया गया।

16 नागरिक-केंद्रित अनुप्रयोगों के विवरण को कवर करने वाली एक सूची भी तैयार की गई और आगंतुकों को 200 से अधिक प्रतियां वितरित की गईं।



समापन समारोह के दौरान, एनआईसी, गुजरात स्टॉल को अहमदाबाद (पश्चिम) क्षेत्र से माननीय सांसद श्री दिनेशभाई मकवाना द्वारा "सर्वश्रेष्ठ स्टॉल" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार श्री प्रमोद कुमार सिंह, डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी, गुजरात ने श्री हरीश एम. पटेल, डीडीजी और एएसआईओ (जिला), श्री पल्लव एम. केंदूरकर, वैज्ञानिक-ई, और श्री नीरज नामा, वैज्ञानिक-सी के साथ प्राप्त किया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार की सचिव द्वारा एनआईसी, गुजरात की आईसीटी गतिविधियों की समीक्षा



‡ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार की सचिव श्रीमती पी. भारती, आई.ए.एस. ने दिनांक 23 जुलाई, 2026 को एन.आई.सी., गुजरात का दौरा किया और इसमें चल रही आई.सी.टी. गतिविधियों की समीक्षा की। श्री प्रमोद कुमार सिंह, वैज्ञानिक-जी एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी ने श्रीमती पी. भारती, आई.ए.एस. का स्वागत किया। श्री अतुल बी. खुंटी, वैज्ञानिक-जी एवं अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (राज्य), श्री हरीश एम. पटेल, वैज्ञानिक-जी एवं अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (जिला), श्री दिनेशकुमार आई. चौहान, वैज्ञानिक-एफ एवं अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (जिला) और अन्य नामित अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।



श्रीमती पी. भारती (आईएएस), सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार एनआईसी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए।

‡ मीटिंग के प्रारंभ में, श्री प्रमोद कुमार सिंह, वैज्ञानिक-जी एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी ने सचिव महोदया को गांधीनगर स्थित एन.आई.सी., गुजरात और इसके 33 जिला केंद्रों के बारे में जानकारी दी।

‡ उन्होंने ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन, प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण और महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधान मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की यात्राओं के दौरान एन.आई.सी. द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान करने में उनकी प्रमुख भूमिकाओं पर प्रकाश डाला।

‡ इसके बाद, श्री सुधीर बारवाल, वैज्ञानिक-एफ ने NICNET, NKN और NMEICT के तहत ICT और नेटवर्क सपोर्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने गुजरात राज्य केंद्र एवं गुजरात के 33 जिला केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जा रही SDC और SWAN और प्रगति जैसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवाओं के लिए एन.आई.सी. द्वारा कनेक्टिविटी सहायता के बारें में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

गांधीनगर, गुजरात में "टेक सक्षम – डिजिटल एक्सीलेंस प्रोग्राम" पर कार्यशाला का आयोजन



गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मंच पर ।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात एवं नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर सर्विसेज इंकॉर्पोरेटेड (एनआईसीएसआई) द्वारा 24 अगस्त 2026 को गांधीनगर स्थित स्वर्णिम संकुल-1, नया सचिवालय के नर्मदा हॉल में "टेक-सक्षम – डिजिटल एक्सीलेंस प्रोग्राम" विषय पर एक दिवसीय क्षमता-निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माननीय मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया द्वारा किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), साइबर सुरक्षा एवं क्लाउड कम्प्यूटिंग जैसी परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों से अवगत कराना था। इसने एनआईसी अधिकारियों एवं विभागीय नोडल अधिकारियों के बीच संवाद और समन्वय को प्रोत्साहित किया, ताकि नागरिक-केंद्रित सेवाओं को अधिक पारदर्शी, कुशल, उत्तरदायी एवं जवाबदेह बनाया जा सके।माननीय मंत्री ने कहा कि गुजरात सुशासन एवं ऑनलाइन सेवा प्रदायगी हेतु प्रौद्योगिकी के उपयोग में अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने iKhedut पोर्टल के माध्यम से फसल हानि हेतु लगभग रु. 26,500 करोड़ की क्षतिपूर्ति तथा MSP भुगतान में किसानों को DBT के प्रभावी उपयोग का उदाहरण दिया। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन हेतु एनआईसी गुजरात एवं एनआईसीएसआई का आभार व्यक्त किया।

श्री आलोक तिवारी, उप महानिदेशक एवं प्रबंध निदेशक, एनआईसीएसआई ने कोड मॉडर्नाइज़ेशन, क्लाउड सेवा मॉडल, लागत-प्रदर्शन विश्लेषण तथा सुरक्षित एप्लिकेशन विकास पर प्रकाश डाला। प्रो. अरुणाभ मुखोपाध्याय, IIM लखनऊ ने AI-आधारित साइबर खतरों एवं इंडिया स्टैक की सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की। श्री बृजेन्द्र कुमार, केपीएमजी इंडिया ने डिजिटल परिवर्तन, डेटा-आधारित निर्णय-निर्माण एवं भविष्य-तत्पर डिजिटल अवसंरचना पर बल दिया।



श्री अतुल बी. खुन्टी, उप महानिदेशक एवं अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी ने एनआईसी गुजरात की सुरक्षित ICT अवसंरचना तथा मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, SWAGAT, डिजिटल गुजरात पोर्टल, GTPDS, ई-धरा, iRCMS, GARVI एवं XGN जैसी प्रमुख ई-गवर्नेंस पहलों की जानकारी दी। श्री राजेश कुमार गुप्ता, निदेशक, UIDAI ने आधार प्रमाणीकरण, eKYC एवं डेटा सुरक्षा के माध्यम से DBT, PDS, पेंशन एवं छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं को कागजरहित, उपस्थिति-रहित एवं नकदरहित बनाने की प्रक्रिया स्पष्ट की।

यह कार्यशाला सरकारी विभागों की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ कर आधुनिक, सुरक्षित एवं नागरिक-केंद्रित ई-गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।





Tech Saksham
AI | Cyber Security | Cloud


Tech Saksham





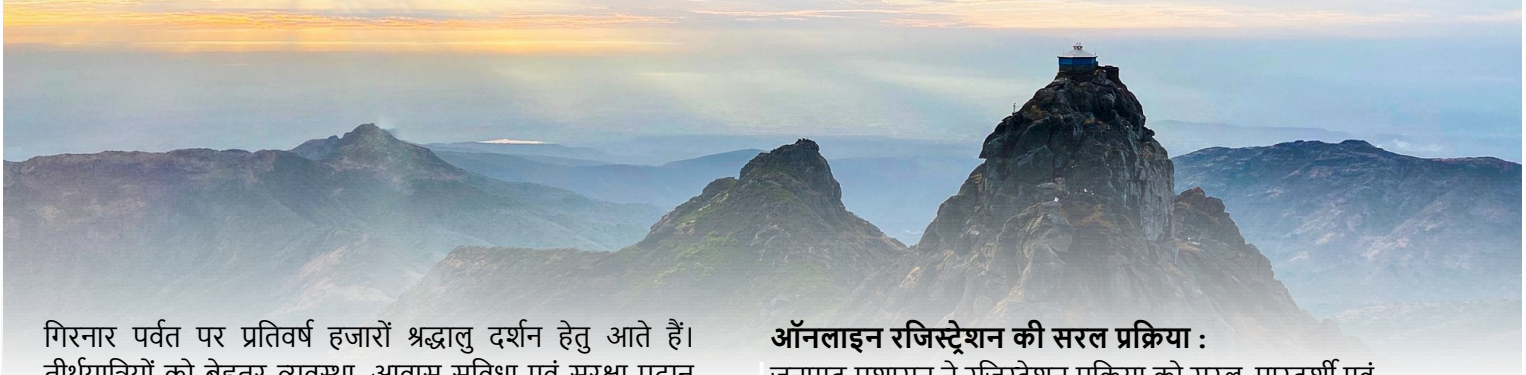








गिरनार यात्रा हेतु ऑनलाइन इन/आउट रजिस्ट्रेशन: सुरक्षा और सुविधा का नया कदम



गिरनार पर्वत पर प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। तीर्थयात्रियों को बेहतर व्यवस्था, आवास सुविधा एवं सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से जूनागढ़ प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 18 जुलाई से गिरनार यात्रा हेतु प्रायोगिक आधार पर 'इन/आउट' ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रणाली लागू की गई है। अब श्रद्धालुओं के लिए गिरनार चढ़ाई से पूर्व ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना तथा साथ में पहचान पत्र रखना अनिवार्य हो गया है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सरल प्रक्रिया :

जूनागढ़ प्रशासन ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं श्रद्धालु-अनुकूल बनाया है। तीर्थयात्री केवल पाँच सरल चरणों में अपनाइन/आउट ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पूर्ण कर सकते हैं। यह प्रणाली यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या, आवागमन एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में प्रशासन की सहायता करेगी।

ऑनलाइन रजिस्टर कैसे करें?



स्मार्टफोन न होने पर भी सुविधा

जिन श्रद्धालुओं के पास स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं है अथवा जिन्हें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में कठिनाई हो रही है, उनके लिए ऑफलाइन सहायता की व्यवस्था की गई है। प्रशासन एवं वन विभाग के कर्मचारी स्थल पर उपलब्ध रहकर श्रद्धालुओं को निःशुल्क रूप से रजिस्ट्रेशन पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करेंगे।

एनआईसी के सहयोग से विकसित पोर्टल

यह उन्नत रजिस्ट्रेशन पोर्टल जूनागढ़ जिले की एनआईसी टीम द्वारा विकसित किया गया है। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री भुवनेश्वर बुडगया, श्री हितेश टाँक एवं श्री शायर राठौड़ ने वन विभाग तथा पुलिस विभाग के सहयोग से इस प्रणाली का विकास किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा गिरनार तीर्थयात्रा के प्रबंधन को अधिक कुशल बनाना है। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस नई रजिस्ट्रेशन प्रणाली में पूर्ण सहयोग करें, ताकि गिरनार यात्रा सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बन सके।

एनआईसी अहमदाबाद द्वारा प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों हेतु सुदृढ़ आईसीटी सहयोग



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सीजी सेमीकंडक्टर सुविधा का उद्घाटन करते हुए

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), अहमदाबाद ने अनेक प्रतिष्ठित सरकारी कार्यक्रमों एवं कार्यक्रमों हेतु आईसीटी एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन गतिविधियों का समन्वय श्री धर्मेश मानसाता, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी अहमदाबाद तथा FMS टीम द्वारा किया गया। टीम ने विभिन्न कार्यक्रमों हेतु समग्र तकनीकी समन्वय, कनेक्टिविटी व्यवस्था, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सपोर्ट, लाइव कार्यक्रम निगरानी तथा बहु-स्थलीय आईसीटी तैयारी प्रदान की।

प्रमुख कार्यक्रमों हेतु सहयोग

एनआईसी अहमदाबाद ने माननीय प्रधानमंत्री के सीजी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र के कार्यक्रम हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान किया, जिसमें अनेक स्थानों के लिए आईसीटी व्यवस्था शामिल थी।

टीम ने पीएम विकसित भारत रोजगार योजना (PM VBRY) हेतु भी बहु-स्थलीय कार्यक्रम व्यवस्था का सहयोग किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह हेतु तकनीकी एवं संचार सहयोग प्रदान किया गया। साथ ही, टीम ने निरमा विश्वविद्यालय में आयोजित ECI NET सम्मेलन का भी तकनीकी सहयोग किया।

एनआईसी अहमदाबाद ने भारत निर्वाचन आयोग के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय ECI NET सम्मेलन का समन्वय एवं तकनीकी सहयोग भी प्रदान किया, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने भाग लिया।

टीम ने पीएम नशा मुक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंस, जिला युवा अधिकारी (DYO) खेल कार्यक्रम तथा विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज़ हेतु भी आईसीटी सहयोग प्रदान किया, जिसमें कार्यक्रम-विशिष्ट संचार एवं तकनीकी आवश्यकताओं की पूर्ति की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं नागरिक संपर्क

एनआईसी अहमदाबाद ने माननीय गृह मंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंस हेतु आईसीटी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सहयोग सुनिश्चित किया, जिसमें कार्यक्रम से पूर्व तकनीकी तैयारी तथा लाइव निगरानी शामिल थी। इसके अतिरिक्त, टीम ने रोजगार मेला एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सहयोग किया तथा माननीय प्रधानमंत्री की लाभार्थियों के साथ ऑनलाइन बातचीत को सुगम बनाया।

सावधानीपूर्वक योजना, परीक्षण, निगरानी एवं स्थल पर तकनीकी सहयोग के माध्यम से श्री धर्मेश मानसाता तथा FMS टीम ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित अनेक सरकारी कार्यक्रमों के निर्बाध एवं सफल संचालन को सुनिश्चित किया। ये प्रयास विश्वसनीय डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन को बढ़ावा देने हेतु एनआईसी अहमदाबाद की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।



एनआईसी गांधीनगर का सराहनीय आईसीटी एवं तकनीकी सहयोग हेतु जिला प्रशासन द्वारा सम्मान

एनआईसी गांधीनगर ने जुलाई एवं अगस्त 2026 के दौरान आयोजित कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों हेतु उल्लेखनीय आईसीटी एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

21 जुलाई 2026 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 815 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न जनकल्याणकारी एवं अवसंरचना परियोजनाओं का क्रमशः ई-भूमि पूजन (E-Khatmuhurt) तथा लोकार्पण (E-Lokarpan) वर्चुअल माध्यम से किया गया। यह कार्यक्रम दो-तरफा एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नेटवर्क के माध्यम से नई दिल्ली एवं माणसा तालुका के चराडा स्थल के बीच आयोजित हुआ। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी गांधीनगर ने विश्वसनीय कनेक्टिविटी एवं तकनीकी समन्वय सुनिश्चित किया |

2 अगस्त 2026 को **"नशा मुक्त युवा – विकसित भारत"** अभियान का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री जी की राष्ट्रव्यापी वर्चुअल बातचीत के माध्यम से किया गया, जिसमें देशभर के 10,000 से अधिक स्थान जुड़े। एनआईसी गांधीनगर ने एनएफ़एसयू, गांधीनगर सहित सादरा एवं अडालज स्थलों पर ड्राई रन तथा लाइव कार्यक्रम का सहयोग किया। टीम ने उच्च-गति कनेक्टिविटी, वेबकास्ट समन्वय, ऑडियो-विजुअल व्यवस्था एवं निर्बाध एचडी प्रसारण सुनिश्चित किया।

24 अगस्त 2026 को एनआईसीएसआई द्वारा आयोजित टेक सक्षम कार्यक्रम में टीम ने कार्यक्रम व्यवस्था, केटरिंग समन्वय एवं वीआईपी आतिथ्य सेवा में भी सहयोग प्रदान किया। ये प्रयास विश्वसनीय, प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन हेतु एनआईसी गांधीनगर की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।


જિલ્લા વહીવટીતંત્ર, ગાંધીનગર

પ્રશસ્તિ પત્ર

શ્રીમાન/શ્રીમતી વીરેન એસ. મકોડીયા ને

જિલ્લા કક્ષાના ૮૦ માં સ્વતંત્રતા દિનની ઉજવણી પ્રસંગે આપના દ્વારા ટેકનિકલ ક્ષેત્રમાં કરેલ કામગીરી બદલ આ પ્રશસ્તિ પત્ર આપી સન્માનિત કરતા અમો હર્ષની લાગણી સાથે આપના ઉજ્જવળ ભવિષ્યની કામના કરીએ છીએ.

રવિન્દ્ર ખતાલે (IAS)
કલેક્ટર અને જિલ્લા મેજિસ્ટ્રેટ
ગાંધીનગર

15 अगस्त 2026 को 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, गांधीनगर, गुजरात में एनआईसी गांधीनगर के ज़िला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री विरेन एस. मकोडिया (वैज्ञानिक-सी) को ज़िला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान वर्ष 2026 के दौरान अपने कर्तव्यों का उत्कृष्ट रूप से पालन करने और ज़िले की विभिन्न परियोजनाओं तथा सूचना प्रोद्योगिकी से संबंधित कार्यों/गतिविधियों में सराहनीय योगदान देने के लिए दिया गया।



माननीय. जिला कलेक्टर, गांधीनगर श्री रवींद्र डी खटाले, आईएएस, श्री वीरेन एस मकोड़िया डीआईओ, एनआईसी गांधीनगर - गुजरात को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए।

पीडीएस में सीबीडीसी के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला



सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सीबीडीसी: गुजरात ने डिजिटल वेलफेयर डिलीवरी के लिए एक स्केलेबल मॉडल दिखाया

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, गुजरात सरकार द्वारा 11 सितंबर 2026 को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी क्लब में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के क्रियान्वयन पर एक राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला ने गुजरात को अपना क्रियान्वयन अनुभव साझा करने तथा राशन सब्सिडी के पारदर्शी, सुरक्षित एवं कुशल वितरण हेतु अन्य राज्यों को सीबीडीसी अपनाने में सहयोग प्रदान करने का मंच प्रदान किया।

वेलफेयर डिलीवरी में डिजिटल परिवर्तन

यह कार्यशाला भारत के व्यापक डिजिटल गवर्नेंस एजेंडे के एक भाग के रूप में आयोजित की गई। गुजरात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) गुजरात ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) एवं पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के सहयोग से पीडीएस के अंतर्गत लक्षित राशन सब्सिडी हेतु सीबीडीसी पारिस्थितिकी तंत्र लागू किया है।

आरबीआई द्वारा डिजिटल रुपया अथवा ई-रुपया (e₹) के रूप में जारी की गई सीबीडीसी, भारत की संप्रभु मुद्रा का डिजिटल रूप है। इसकी प्रोग्रामेबिलिटी सुविधा के माध्यम से संबंधित सरकार अथवा संस्था यह सुनिश्चित कर सकती है कि लाभार्थी के डिजिटल वॉलेट में उपलब्ध धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही हो। इसमें समाप्ति तिथि, भौगोलिक स्थिति, व्यापारी श्रेणी तथा व्यापारी वीपीए जैसे नियंत्रण भी लागू किए जा सकते हैं।

पीडीएस के संदर्भ में यह क्षमता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सब्सिडी की राशि प्रोग्रामेबल डिजिटल रुपये के रूप में सीधे लाभार्थियों को जमा की जा सकती है, जिसे बाद में उचित मूल्य की दुकानों पर क्यूआर कोड अथवा कूपन कोड आधारित लेनदेन के माध्यम से निर्धारित खाद्यान्न प्राप्त करने हेतु रिडीम किया जा सकता है।

गुजरात की क्रियान्वयन यात्रा

गुजरात ने जनवरी 2026 में पायलट क्रियान्वयन प्रारंभ किया। इसकी सफलता के पश्चात सीबीडीसी पारिस्थितिकी तंत्र को राज्य के 35 जिलों की सभी 16,321 उचित मूल्य की दुकानों तक विस्तारित किया गया है। अब सीबीडीसी पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से प्रत्येक माह लेनदेन किए जा रहे हैं, जिससे गुजरात खाद्य सब्सिडी वितरण हेतु डिजिटल मुद्रा के परिचालन में अग्रणी राज्यों में से एक बन गया है।

यह क्रियान्वयन दर्शाता है कि सीबीडीसी केवल एक पायलट परियोजना तक सीमित न रहकर बड़े स्तर पर जन-सेवा वितरण के सशक्त माध्यम के रूप में



श्री सुबिन थोप्पिल, वैज्ञानिक-डी, एनआईसी गुजरात
सीबीडीसी गुजरात मॉडल का प्रेजेंटेशन देते हुए

कार्य कर सकती है। डिजिटल रुपया अवसंरचना को पीडीएस कार्यप्रवाह के साथ एकीकृत करके राज्य ने एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसमें सब्सिडी वितरण, लाभार्थी प्रमाणीकरण तथा उचित मूल्य की दुकानों पर रिडेम्पशन एक समन्वित डिजिटल प्रक्रिया के रूप में संचालित हो सकता है।

कार्यशाला में चर्चा एवं ज्ञान साझाकरण

श्री सुबिन थोप्पिल, वैज्ञानिक-डी, एनआईसी गुजरात ने गुजरात के क्रियान्वयन अनुभव, परिचालन प्रगति एवं आगामी विस्तार के रोडमैप को प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में कल्याण कार्यक्रम में सीबीडीसी लागू करने के व्यावहारिक पहलुओं, जिनमें प्रणाली एकीकरण, लाभार्थी ऑनबोर्डिंग, लेनदेन प्रक्रिया एवं परिचालन निगरानी शामिल हैं, पर चर्चा की गई।

कार्यशाला में कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा एवं हरियाणा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी), भारत सरकार, एनआईसी दिल्ली, एनआईसी गुजरात,आरबीआई, पीएनबी तथा अन्य हितधारक संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भागीदारी की।

अनेक राज्यों की भागीदारी गुजरात के दृष्टिकोण को दोहराने में बढ़ती रुचि को दर्शाती है। चर्चा का मुख्य केंद्र यह था कि प्रोग्रामेबल सीबीडीसी किस प्रकार अंतिम-स्तर पर सब्सिडी वितरण को सुदृढ़ कर सकती है, रिसाव को कम कर सकती है, अंकेक्षण क्षमता में सुधार कर सकती है तथा यह सुनिश्चित कर सकती है कि सार्वजनिक निधि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए ही हो।

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात में हिंदी पखवाड़ा 2026 का आयोजन



राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालना के क्रम में राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात राज्य केंद्र, गांधीनगर में 14 सितंबर 2026 से 30 सितंबर 2026 तक **"हिंदी पखवाड़ा-2026"** का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान, हिंदी से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं के लिए पुरस्कारों की घोषणा की गई |



हिंदी श्रुतिलेख (डिक्टेशन) प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में राज्य केंद्र तथा जिलों के कुल 31 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।



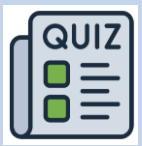
चित्र देखकर कहानी लिखें' प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में राज्य केंद्र तथा जिलों के कुल 36 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।



हिंदी सामान्य ज्ञान, संविधान, व्यक्तित्व, समसामयिकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में राज्य केंद्र तथा जिलों के कुल 46 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।



हिंदी टिप्पणी, प्रारूपण, हिंदी व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में राज्य केंद्र तथा जिलों के कुल 42 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात में हिंदी पखवाड़ा 2026 का आयोजन

इस वर्ष प्रतियोगिताएँ राज्य केंद्र एवं जिलों के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से आयोजित की गईं। "चित्र देखो, कहानी लिखो" प्रतियोगिता में प्रदर्शित चित्रों में से किसी एक पर कहानी लेखन कराया गया। विगत वर्ष की प्रश्नोत्तरी की सफलता को देखते हुए इस बार दो हिंदी सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।

प्रश्नोत्तरी को रोचक बनाने हेतु एक वेब पेज विकसित किया गया, जिसमें यादृच्छिक क्रम में प्रश्न प्रदर्शित होते थे। प्रश्नों में ऑडियो-वीडियो, राजभाषा नियम, गुजरात से संबंधित जानकारी, हिंदी-गुजराती साहित्य, तकनीकी क्षेत्र, प्रसिद्ध कवियों की आवाज़ एवं चित्र पहचान, कार्यालयीन हिंदी, टिप्पण तथा सरकारी आदेश शामिल किए गए। प्रत्येक सही उत्तर हेतु ₹350 की राशि निर्धारित की गई, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभागी प्रोत्साहित हो सकें।

"हिंदी श्रुतिलेख" एवं "चित्र देखो, कहानी लिखो" प्रतियोगिताओं में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वालों के अतिरिक्त सात प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए। दोनों प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में क्रमशः 27 एवं 20 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

1 अक्टूबर 2026 को श्री प्रमोद कुमार सिंह, उप-महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी की अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण तथा समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में बताया गया कि हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जा रहे हैं तथा जिलों से पत्राचार एवं ई-मेल संवाद भी हिंदी में किया जा रहा है। समापन अवसर पर हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत पारंगत 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तकें भी प्रदान की गईं।







राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन





राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात के राज्य एवं जिला केंद्रों द्वारा एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार "स्वच्छता ही सेवा 2026" अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया गया।

इस अभियान का प्रमुख आकर्षण 21 सितंबर 2026 को आयोजित स्वच्छता शपथ समारोह था, जिसका संचालन एनआईसी के महानिदेशक श्री प्रियांक भारती, आईएएस द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर एनआईसी गुजरात के राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री प्रमोद कुमार सिंह सहित राज्य एवं जिला केंद्रों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने स्थानों से वर्चुअल माध्यम से स्वच्छता की शपथ ली।





निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप, एनआईसी गुजरात के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ईमेल के माध्यम से साझा की गई गतिविधियों के अनुसार कार्यालय परिसर में श्रमदान एवं विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत 2 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न स्वच्छता संबंधी गतिविधियों एवं नागरिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

"स्वच्छता पखवाड़ा" का मुख्य उद्देश्य आमजन में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखना तथा बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वच्छता संबंधी आदतों को प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, गुजरात में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन



श्री भरत रावजीभाई धंधुकिया, पूर्व वैज्ञानिक एफ की सेवानिवृति पर विदाई समारोह का आयोजन

एनआईसी गुजरात द्वारा 30 सितंबर 2026 को श्री भरत रावजीभाई धंधुकिया, पूर्व वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एवं जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी (डीआईओ), एनआईसी जामनगर की सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। श्री भरत धंधुकिया ने राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, बनासकांठा जिला केंद्र, गुजरात में 1 जुलाई 1989 को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर–एस.बी. के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने अपनी 37 वर्ष से अधिक की सेवा अवधि के दौरान एनआईसी के जिला केंद्रों—भुज, राजकोट और जामनगर—में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।



श्री भरत धंधुकिया ने एक व्यवहार-कुशल, विनम्र, कर्तव्यनिष्ठ, कार्य के प्रति समर्पित एवं सरल अधिकारी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। श्री प्रमोद कुमार सिंह, उप-महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, गुजरात; श्री अतुल बी. खुँटी, उप-महानिदेशक; श्री हरीश एम. पटेल, उप-महानिदेशक; तथा श्री दिनेश चौहान, वरिष्ठ निदेशक ने श्री भरत रावजीभाई धंधुकिया को एनआईसी, गुजरात में उनके उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए बधाई दी। उन्होंने श्री धंधुकिया के भावी जीवन के लिए उत्तम स्वास्थ्य, शांति एवं सुख-समृद्धि की शुभकामनाएँ भी दीं।

श्री भरत रावजीभाई धंधुकिया, पूर्व वैज्ञानिक 'एफ', ने अपनी 37 वर्ष और 3 माह की दीर्घ सेवा-यात्रा के अवसर पर शुभकामनाएँ एवं विदाई देने के लिए सभी सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।अंत में, विदाई समारोह के संचालक श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक 'सी', ने व्यक्तिगत रूप से तथा आभासी माध्यम से समारोह में शामिल होने वाले सभी एनआईसी अधिकारियों की उपस्थिति की सराहना की। उन्होंने समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सुश्री लता पटेल, वैज्ञानिक सी के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन

सुश्री लता पटेल जी, वैज्ञानिक-सी एवं डीआईओ एनआईसी वलसाड का केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के एनआईसी यूटी सेंटर स्थानांतरण होने पर 31 अगस्त 2026 को एनआईसी गुजरात द्वारा उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया | विदाई समारोह का संचालन करते हुए श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी ने समारोह में व्यक्तिगत रूप से और आभासी रूप से भाग लेने वाले सभी एनआईसी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया | सुश्री लता पटेल जी ने 17 सितंबर 2011 को डीआईओ, नवसारी के रूप में एनआईसी में अपनी यात्रा प्रारंभ की। तत्पश्चात 19 जून 2017 को वे डीआईओ, वलसाड के पद पर नियुक्त हुईं तथा 31 अगस्त 2026 को यहाँ से कार्यमुक्त हुईं।



डीआईओ, नवसारी के कार्यकाल में उनके प्रयासों से नवसारी जिले को "Digital India Week Program–2015" में जिला श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार मिला, जो नई दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MEITY) के माननीय मंत्री श्री रविशंकरप्रसाद जी द्वारा प्रदान किया गया। विभिन्न जिला-स्तरीय कार्यक्रमों में उत्कृष्ट आईसीटी एवं तकनीकी सहयोग हेतु उन्हें जिलाधिकारी द्वारा भी कई बार सम्मानित किया गया। वेब एप्लिकेशन, चुनाव रैंडमाइजेशन तथा मोबाइल एप्लिकेशन में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है।

एनआईसी गुजरात के उपमहानिदेशक एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, श्री प्रमोद कुमार सिंह तथा उपमहानिदेशक एवं अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी(जिला), श्री हरीश पटेल ने सुश्री लता पटेल को एनआईसी, गुजरात में उनके उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए बधाई दी और उनकी तकनीकी विशेषज्ञता तथा सहयोग की भावना की तारीफ करते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनायें दी | सुश्री लता पटेल जी, वैज्ञानिक-सी ने एनआईसी, वलसाड तथा एनआईसी, नवसारी के कार्यकाल के विभिन्न अवसरों को भी याद किया और सभी सहयोगियों को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं और विदाई के लिए धन्यवाद दिया। अंत में श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी ने समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञपित किया |

श्री शिवांशु, वैज्ञानिक-बी के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन

श्री शिवांशु, वैज्ञानिक-बी, एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र का इलाहाबाद उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश के एनआईसी केंद्र स्थानांतरण होने पर 17 जुलाई 2026 को एनआईसी गुजरात द्वारा उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया | विदाई समारोह का संचालन करते हुए श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी ने समारोह में व्यक्तिगत रूप से और आभासी रूप से भाग लेने वाले सभी एनआईसी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया | श्री शिवांशु जी ने अगस्त 2014 को डीआईए, बनासकांठा के रूप में एनआईसी में अपनी यात्रा प्रारंभ की। तत्पश्चात जून 2023 को वे एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र में नियुक्त किए गए तथा 17 जुलाई 2026 को यहाँ से कार्यमुक्त हुए।

डीआईए, बनासकांठा के कार्यकाल के दौरान उन्होने अपनी तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए पे-बिल एप्लिकेशन एवं पीडीएस प्रोजेक्ट में उल्लेखनीय योगदान दिया । एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र में श्री शिवांशु ने राशन कार्ड प्रोजेक्ट और माइ राशन मोबाइल एप के डेव्लपमेंट में अपना विशिष्ट योगदान दिया | माइ राशन मोबाइल एप 1.11 करोड़ डाउनलोड होने वाली एक बहूउपयोगी मोबाइल एप सिद्ध हुई है |

एनआईसी गुजरात के उपमहानिदेशक एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, श्री प्रमोद कुमार सिंह तथा उपमहानिदेशक एवं अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी(राज्य), श्री अतुल खूंटी ने श्री शिवांशु को एनआईसी, गुजरात में उनके उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए बधाई दी और उनकी तकनीकी विशेषज्ञता तथा सहयोग की भावना की तारीफ करते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनायें दी | श्री शिवांशु, वैज्ञानिक-बी ने एनआईसी, बनासकांठा तथा एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र के कार्यकाल के विभिन्न अवसरों को भी याद किया और सभी सहयोगियों को उनकी हार्दिक शुभकामनाओं और विदाई के लिए धन्यवाद दिया।













सयाजी बाग

सयाजी बाग, जिसे कमाती बाग के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के वडोदरा शहर के मध्य में विश्वामित्री नदी के तट पर स्थित एक ऐतिहासिक और बेहद खूबसूरत सार्वजनिक उद्यान है। 113 एकड़ (लगभग 45 हेक्टेयर) में फैला यह पार्क पश्चिमी भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक बगीचों में से एक है। सयाजी बाग में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा महान मराठा शासक के शौर्य, नेतृत्व और भारतीय इतिहास में उनके अमूल्य योगदान का प्रतीक है। इस प्रतिमा का अनावरण 8 मार्च 1934 को महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने किया था।